**दृश्य 7**

**राम, लक्ष्मण और हनुमान पानी के किनारे खड़े हैं। दूसरी तरफ रावण का महल है।**

रमा: **(निराश होकर)** मैं इसे वहाँ पार नहीं कर सकता। यह बहुत दूर है। हम क्या करने वाले है?

लक्ष्मण: मैं आगे बढ़ जाता, लेकिन पानी बहुत गहरा है और ज्वार बहुत तेज है। डूब जाऊंगा भाई।

हनुमान: **(सीटी बजाते हुए)**

**बंदर आते हैं, राम और लक्ष्मण के लिए पानी पर एक पुल बनाते हैं।**

हनुमान: अब तुम सुरक्षित पार कर सकते हो। जाओ, खोने के लिए एक सेकंड नहीं है। हम सब आपके साथ हैं।

लक्ष्मण: राम, हमें जल्दी करना चाहिए।

राम: धन्यवाद हनुमान, मैं तुम्हें कभी कैसे चुकाऊंगा?

**राम, लक्ष्मण और हनुमान पुल पर अपना रास्ता बनाने लगते हैं। दूसरी तरफ पहुंचते ही वे मंच से बाहर निकल जाते हैं।**

**लाइट्स आउट**